20वीं सदी में बिहार के सहकारिता आन्दोलन का राष्ट्रीय आन्दोलन में प्रभाव

मो0 शाहनवाज आलम

बिहार में से कृषक आन्दोलन की पृष्ठभूमि,संगठन तथा संगठनों के बीच आपसी तालमेल एवं संघर्ष तथा तमाम राजनीति समाजिक परिस्थितियों के बीच एक जबरदस्त मूक आन्दोलन स्वरूप ग्रहण कर रहा था और जिसकी उपादेयता एवं जनशक्ति को बाद के दिनों में ज्यादा स्पष्ट रूप से पहचान किया जा सका, वह था सहकारिता आन्दोलन। बिहार में सहकारी आन्दोलन की शुरूआत कृषि और उससे सम्बंधित क्षेत्रो की देन है। अकाल ऋणग्रहस्ता, गरीबी के दुष्चक्र से बाहर निकलना। इस आन्दोलन ने किसानो के बीच एकता जागरूकता एवं समृद्धि तीनों को जन्म दिया एवं बाद के दिनों में इसका राजनीति प्रभाव तथा बिहार के राष्ट्रीय आन्दोलन में इसकी बढ़ती भूमिका को स्पष्ट रूप से महसूस किया गया।